

178



21 मिस्रोली
R-2208-11/05
BOIR

14 नवम्बर 2005

समझ मानुनीय राजस्व मण्डल गवा लियर केम्प, सागर

अजित कुमार तनय प्रेमचंद जैन उर्फ कन्नूलाल जैन,
ताकिन लौडी हाल निधासी हुधना कालोनी छतरपुर
तहसील व जिला छतरपुर म.प्र. — रिवीजनका

आपुका कमाता

बनाम

द्वारा कृपया

2212/

चंदनमाला पुत्री महेन्द्र कुमार जैन,

ताकिन- कटहरा तहसील लौडी,
जिला छतरपुर म.प्र. — अनावेदिका

रिवीजन अन्तिगत धारा 50 म.प्र.मू राजस्व संहिता

उपरोक्त नामांकित रिवीजनकर्ता न्या

श्रीमान् कमिशनर महोदय, सागर संभाग सागर के आदेश
20/9/2005 जो उन्होंने अपील प्रकरण क्रमांक 278-अ/6

2002-2003 पक्षकारात्रे चंदनमाला विल्द अजित कुमार दि
किया है, उससे दुष्टि होकर निम्न तथ्यों एवं आधारों
अन्य आधारों पर अपनी यह निगरानी इस सम्मानीय
में प्रस्तुत कर रहा है :-

प्रकरण के तथ्य

52
25/11/05

(3)

1. यह कि, प्रकरण के संधिष्ठित तथ्य इस
कि, अनावेदिका चंदनमाला ने ग्राम लौडी तहसील लौडी
छतरपुर के आराजी खसरा नम्बर 735/4/1 रक्वा 0.00
को निगरानीकर्ता अजित कुमार के पास दिनांक 11/2/

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

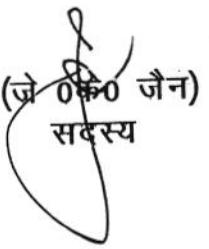
करण कमांक निगरानी 2208-दो/2005

जिला छतरपुर

आजत कुमार विरुद्ध परन्माला

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं
अभिभाषकों के
हस्ताक्षर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों के हस्ताक्षर
19-8-2019	<p>आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं। अनोवदक अभिभाषक श्री सुनील सिंह जौदान उपस्थित। उनके द्वारा तर्क किया कि इस प्रकरण में व्यवहार न्यायालय से अंतिम आदेश हो चुका है। अब इस निगरानी के प्रचलन का कोई औचित्य शेष नहीं है।</p> <p>2/ प्रकरण का अवलोकन किया। यह निगरानी अपर आयुक्त सागर के आदेश 20-9-2005 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई थी। अनावेदक की ओर से इन्हीं पक्षकारों के भव्य एवं इसी विवादित भूमि से संबंधित वाद व्यवहार न्यायालय कमांक 21ए/2006 में प्रस्तुत किया गया था। उक्त व्यवहारवाद में दिनांक 28-3-2009 को अंतिम आदेश पारित कर दिया गया है, जिसकी छायाप्रति प्रकरण में संलग्न है। इस निगरानी प्रकरण में आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं हो रहा है और व्यवहार न्यायालय से अंतिम आदेश हो चुका है। ऐसा प्रतीत होता है कि आवेदक प्रकरण को प्रकरण के संचालन में रुचि नहीं है। फलस्वरूप यह निगरानी इसी स्तर पर समाप्त की जाती है। पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>	  <p>(जे ०५० जैन) सदस्य</p>